an>

Title: Need to ensure artificial insemination for breed improvement of cow progeny in Central Animal Breeding Centre at Andesh Nagar in Lakhimpur-Kheri in Uttar PRadesh.

श्री अजय मिश्रा टेनी **: अध्यक्ष जी, भारत सरकार द्वारा पशु नस्ल सुधार हेतु** 1976 **में केन्द्रीय पशु पूजनन केन्द्र अंदेश नगर, लखीमपुर खीरी में** 412 **हेक्टेयर जमीन पर सीमेंस से ए.आई. करने के प्रावधान हेतु स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य बीडिंग द्वारा उच्च नस्ल की गायों तथा बछड़ों को पैदा करके बिक्री करना था। नस्ल सुधार प्रमुख उद्देश्य था लेकिन निगरानी तंत्र न होने के कारण जहां नर व मादा पशुओं को एक साथ चरने के लिए छोड़ दिया जाता है, जिससे सीमेंस में ए.आई. होने की बजाय प्राकृतिक पूजनन हो रहा है व सरकार के रुपए से खरीदा गया उपलब्ध सीमेंस बाजार में बेचा जाता है। इसके कारण बछड़ों में नस्ल सुधार के बजाय यह केंद्र अब भैंसों के पूजनन का कार्य कर रहा है तथा भैंसों की संख्या बछड़ों से अधिक हो गई है, जो उद्देश्य के विपरीत है तथा** 412 **हेक्टेयर जमीन भारत सरकार के फार्म में उपलब्ध होने के बावजूद पशुओं का चारा बाहर से खरीदा जाता है। ठेकों की नीलामी में बहुत भ्रष्टाचार होता है और डॉक्टर की बजाय मिल्क रीडर से काम लिए जाने के कारण पशुओं की मृत्यु दर भी लगातार बढ़ रही है। इस फार्म का बजट** 7 **से** 8 **करोड़ रुपया प्रति वर्ष है।**वहां पर 15 कर्मचारी परमानेंट हैं और 125 कर्मचारी मस्टर-रोल पर रहते हैं, जिनके लिए चार करोड़ रुपये का भुगतान भारत सरकार प्रतिवर्ष करती है। इस कारण बहुत बड़ा नुकसान देश का हो रहा है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आपकी बात हो गयी।

â€¦(व्यवधान) *

श्री अजय मिश्रा टेनी**:** अतः आपके माध्यम से मैं सरकार से मांग करता हूं कि निगरानी तंत्र विकसित करने के साथ-साथ उक्त फार्म में उपलब्ध गोबर से बायो गैस प्रोजेक्ट व जैविक खाद बनाने का काम किया जाए तथा स्थानीय किसानों एवं गो-पालकों के लाभ हेतु योजनाएं बनाने के साथ-साथ पशुपालन ट्रेनिंग एवं दूध से दूध प्रोडक्ट बनाने का प्रशिक्षण दिया जाए। नस्ल सुधार के लिए एक अभियान चलाया जाए, स्थानीय लोगों को प्रेरित किया जाए, जिससे भारत सरकार के जिस फार्म की स्थापना पशु नस्ल सुधार के लिए की गयी थी, उसका उद्देश्य पूरा हो सके।